09 12 24

Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा- तीसरी
विषय- हिन्दी सुलेख

शिक्षिका- श्रीमती सुमन शर्मा
श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरल हिन्दी सुलेख भाग - तीन

प्यारे बच्चो,

आप सभी अपनी - अपनी पुस्तक 'सरल हिन्दी सुलेख' भाग - तीन में नियमित रूप से अभ्यास कर रहे होंगे। सभी छात्रों का इस कार्य को करना अनिवार्य है। इस प्रकार आप सभी अपने लेखन कार्य में सुधार ला सकते हैं। अभ्यास करते समय यह ध्यान में रखें कि आपके लिखे अक्षर या शब्द समान आकार व समान दूरी में होने चाहिए। आपके लिखे अक्षर व शब्द पढ़ने वाले को साफ समझ में आ जाएँ। सुलेख का अभ्यास बोल - बोल कर करें। शब्दों का उच्चारण सही होना चाहिए। शब्दों के ऊपर दी जाने वाली शिरोरेखा को हमेंशा सीधा खींचे तथा गोलाकार के शब्दों को गोलाई में लिखें। सबसे महत्त्वपूर्ण बात कि आप सभी इस कार्य को रुचि से करें।

अध्यापिका द्वारा आपको सरल हिन्दी सुलेख का एक पृष्ठ अभ्यास के लिए दिया जाता है साथ ही कुछ शब्दों का सुन्दर लिखाई में अभ्यास करने के लिए भी दिया जा रहा है। इस सप्ताह आपको 'त' वर्ण तथा इस वर्ण से जुड़े चार शब्दों का भी अभ्यास करना है। सभी छात्र गृहकार्य करने के साथ

कक्षा- तीसरी
विषय- हिन्दी सुलेख

शिक्षिका- श्रीमती सुमन शर्मा,
श्रीमती कल्पना शर्मा

इसका भी अभ्यास करेंगे।

1. तरबूज
2. तबला
3. तितली
4. तारा

इस प्रकार निरन्तर अभ्यास द्वारा सभी छात्र अपनी हिन्दी की लिखाई में सुधार ला सकते हैं।

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या - 21 को सरल हिन्दी सुलेख की पुस्तक पर लिखने का अभ्यास करेंगे। सुलेख लिखते समय आप अध्यापिका द्वारा बताई बातों को अवश्य ध्यान में रखेंगे।

धन्यवाद।

ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया।

ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया।

सत्संग करने से अज्ञान का नाश होता है।

सत्संग करने से अज्ञान का नाश होता है।